कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (18) खण्ड -{35}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- वानप्रस्थ में कौन लेकर जाते हैं ?

A- सन्यासी

B- वानप्रस्थी

C- गुरु

D- बेहद का बाप

प्रश्न 2- तुम्हारी आत्मा पवित्र बन जाती है तो शरीर भी पवित्र मिलेगा। तो बाप तुम्हारी काया..... बनाते हैं ?

A- कंचन

B- कल्पतरु

C- निरोगी

D- गोरी

प्रश्न 3- तुम बच्चे..... में चलने के लिए पुरूषार्थ कर रहे हो। तो पूरा पुरुषार्थ करना है, काटा नहीं बनना है ?

A- अमरपुरी

B- विष्णुपुरी

C- रामपुरी

D- ब्रह्मपुरी

प्रश्न 4- उनका चेहरा ही गुणमूर्त दिखाई देता है।
वही.....की ढाल पर ठहर सकते हैं ?

A- कर्मों

B- ड्रामा

C- पवित्रता

D- दैवी गुणों

प्रश्न 5- हे भगवान कहना, यह भी क्या है ?

A- कलियुग

B- संगमयुग

C- ज्ञान मार्ग

D- भक्ति मार्ग

प्रश्न 6- तुम बच्चे भी कौन हो जो रावण पर जीत पाते हो ?

A- महारथी

B- महावीर

C- पाण्डव

D- शक्तियाँ

प्रश्न 7- आदि की कौनसी पहेली अब तक चल रही है ?

A- मैं कौन?

B- परमात्मा कीन?

C- कहाँ का रहने वाला?

D- कहाँ जाना?

प्रश्न 8- अर्जुन अर्थात ?

A- जो ओटे सो अर्जुन

B- ज्ञान का अर्जन करने वाला

C- अलौकिक जन्म

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 9- अगर क्रोध से बात करेंगे तो लोग कहेंगे..... ?

A- इनमे दैवी गुण नही है

B- ये तो रावण हैं।

C- इनमे भूत है।

D- ये सतगुरु के निंदक हैं।

प्रश्न 10- बाप से कभी रूठना नहीं है। रूठ कर अगर पढ़ाई छोड़ा गोया... ?

A- मंजिल से गिरा

B- अपने पैर पर कुल्हाड़ा मारा

C- पद गंवाया

D- अपना नुकसान किया

प्रश्न 11- तुम... के संग में आने से ब्राह्मणपना भूल जाते हो ?

A- माया

B- रावण

C- शूद्र

D- विकारों

प्रश्न 12- ब्राह्मण तो देवताओं से भी ऊंच हैं क्यों ?

A क्योंकि ब्राह्मणों को ही बाप मिला है।

B क्योंकि ब्राह्मण नॉलेजफुल हैं।

C क्योंकि ब्राह्मण ही शिव बाबा से वसा ले रहे हैं।

D क्योंकि ब्राह्मण बनने बिगर देवता बन नही सकते।

प्रश्न 13- भगवान को जानी-जाननहार कहते हैं। क्यों ?

A- क्योंकि वह जानता है सबके दिल में

क्या है।

B- वह बीज रूप है

C- वह सृष्टि के आदि मध्य अंत को जानते

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 14- सतयुग में इनमे से क्या नही होगा ?

A- वन वर्ल्ड

B- वन राज्य

C- वन रिलिजन

D- वन स्कूल

प्रश्न 15- योग कितने प्रकार के होते है ?

A- दो

B- तीन

C- चार

D- छः

प्रश्न 16- सदा कौनसी स्मृति में रहना है ?

A- हम आत्मा हैं।

B- हम ब्राह्मण है।

C- हम क्षत्रिय है।

D- हम देवता है।

भाग (18) खण्ड {35} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- D- बेहद का बाप

। बेहद का बाप कहते हैं मैं वानप्रस्थ में बैठ जाता हूँ। *बेहद का बाप ही आकर गुरू के रूप में वानप्रस्थ में ले जाते हैं।* मनुष्य गुरूओं का संग लेते हैं - भगवान से मिलने लिए। शास्त्र पढ़ेंगे, तीर्थों पर जायेंगे, गंगा स्नान करेंगे। परन्तु मिला तो कुछ भी नहीं है।

उत्तर 2- B- कल्पतरु

बाबा नई दुनिया बनाते हैं, परन्तु इसमें गुंजाइस कितनी है। जब मनुष्य पतित दु:खी होते हैं तब ही बुलाते हैं। बाबा आकर सबकी काया कल्पवृक्ष समान बनाते हैं। *तुम्हारी आत्मा पवित्र बन जाती है तो शरीर भी पवित्र मिलेगा। तो

बाप तुम्हारी काया कल्पतरू बनाते हैं।* आधाकल्प कब तुम्हारी अकाले मृत्यु नहीं होगी। तुम काल पर जीत पाते हो।

उत्तर 3- C- रामपुरी

रावण का बुत भी बनाते हैं, मारने लिए। यहाँ मारने आदि की तो बात नहीं। कहाँ मारने आदि की बात, कहाँ यह रावणपुरी खत्म हो रही है। *तुम बच्चे रामपुरी में चलने के लिए पुरूषार्थ कर रहे हो।* तो पूरा पुरुषार्थ करना है, काँटा नहीं बनना है।

उत्तर 4- B- ड्रामा

जिसमें सहनशीलता का गुण होता है वह सूरत से सदैव सन्तुष्ट दिखाई देता है, जो स्वयं सन्तुष्ट मूर्त रहते हैं वह औरों को भी सन्तुष्ट बना देते हैं। सन्तुष्ट होना माना सफलता पाना। *उनका चेहरा ही गुणमूर्त दिखाई देता है। वही ड्रामा की ढाल पर ठहर सकते हैं।*

उत्तर 5- D - भक्ति मार्ग

ऐसा कोई नहीं होगा जिनके माँ बाप किसी न किसी मन्दिर आदि में नहीं जाते होंगे। कुछ न कुछ भक्ति के चिन्ह घर में जरूर होते हैं। *हे भगवान कहना, यह भी भक्ति मार्ग है।*

उत्तर 6- B - महावीर

पिछाड़ी की टाली है। देवताओं को मानने वाले नहीं हैं। महावीर, हनूमान का नाम है, वीरता दिखाई है। जैनियों ने भी महावीर नाम रख दिया है। अभी अर्थ तो तुम समझते हो। *तुम बच्चे भी महावीर हो जो रावण पर जीत पाते हो।*

उत्तर 7- A - मैं कौन?

आदि की पहेली अब तक चल रही है। कौन सी पहेली? मैं कौन? अभी भी बापदादा कहते - अपने आपसे पूछो मैं कौन? पहेली हल करना आता है ना वा दूसरा बतावे

तब हल कर सकते हो - दूसरा बतायेगा तो भी उसकी बात को चलाने की कोशिश करेंगे कि ऐसे नहीं है, वैसे है... इसलिए अपने आपको ही देखो।

उत्तर 8- C - अलौकिक जन

यथार्थ चश्मे वाले सिर्फ बाप और आप को देखते हैं। दूसरा वा तीसरा क्या करता - वह नहीं देखते। मुझे ही बदलना है इसी धुन में सदा रहते है। मुझे बदलकर के औरों को सहज करने के लिए एक्जैम्पुल बनना है इसलिए कहावत है 'जो ओटे सो अर्जुन।' *अर्जुन अर्थात् अलौकिक जन।* इसको कहा जाता है यथार्थ चश्मा वा यथार्थ दृष्टि।

उत्तर 9- C - इनमे भूत है।

तुम्हारी चलन बहुत-बहुत मीठी रॉयल होनी चाहिए, क्रोध का भूत बिल्कुल न हो.....तुम 21 जन्म की प्रालब्ध बना रहे हो, इसमें माया के तूफान बहुत आयेंगे। फिर भी पुरुषार्थ कर दैवी गुण धारण करने हैं। *अगर क्रोध से बात

करेंगे तो लोग कहेंगे इनमें भूत है।* गोया बेहद बाप की आबरू गँवाई। फिर ऐसे ऊंच पद कैसे पायेंगे?

उत्तर 10- B - अपने पैर पर कुल्हाड़ा मारा

बच्चों को बहुत मीठा बनना है। कभी गुस्से से बात नहीं करनी है। *बाप से कभी रूठना नहीं है। रूठ कर अगर पढ़ाई छोड़ा गोया अपने पैर पर कुल्हाड़ा मारा।* यहाँ तुम आये हो विश्व का मालिक बनने।

उत्तर 11- C - शूद्रों

चित्र भी भल याद रखो। याद तो रहेगी, हम ब्राह्मण हैं, बाप से वर्सा लेते हैं। ब्राह्मण कब अपनी जाति को भूलते हैं क्या? *तुम शूद्रों के संग में आने से ब्राह्मणपना भूल जाते हो। *

उत्तर 12- B - क्योंकि ब्राह्मण ही शिव बाबा से वर्सा ले रहे हैं।

बच्चों का फ़र्ज है - बेहद के बाप को याद करना। हम ब्राह्मण हैं, दादे से वर्सा लेते हैं ब्रह्मा द्वारा इसलिए शिवबाबा कहते हैं - जितना हो सके याद करते रहो।.....*ब्राह्मण तो देवताओं से भी ऊंच हैं क्योंकि तुम ब्राह्मण नॉलेजफुल हो।....हम ब्राह्मण ही शिवबाबा से वर्सा ले रहे हैं।*

उत्तर 13- C - वह सृष्टि के आदि मध्य अंत को जानते

भगवान को जानी-जाननहार कहते हैं ना। इसका अर्थ यह नहीं कि सबके दिल में क्या है - वह बैठ देखता है। नहीं, उनको *सृष्टि के आदि मध्य अन्त की नॉलेज है।* वह बीजरूप है। *बीज झाड़ के आदि मध्य अन्त को जानते हैं।*

उत्तर 14- D - वन स्कूल

यह किसको भी पता नहीं कि तुम भारत को स्वर्ग बनाते हो। आगे चलकर समझेंगे, चाहते भी हैं कि *वन वर्ल्ड, वन राज्य, वन रिलीजन, वन भाषा हो।* तुम समझा सकते हो - आज से एश्धू हजार वर्ष पहले *एक राज्य, एक धर्म था*, जिस़को स्वर्ग कहा जाता है।

।

उत्तर 15- A - दो

अब योग दो प्रकार का है - एक हैं हठयोगी, दूसरे हैं राजयोगी। तुम हो राजयोगी। वह तो बहुत दिन सेव चले आते हैं। राजयोग का अब तुमको पता पड़ा है। संन्यासी क्या जानें राजयोग से। बाप ने आकर बताया है - राजयोग मैं ही आकर सिखलाता दल ने हूँ, कृष्ण तो सिखला न सके।

उत्तर 16- B हम ब्राह्मण है।

जो-जो ब्राह्मण बनते हैं उनका लंगर इस छी-छी दुनिया से उठ जाता है। तुम कलियुगी दुनिया से किनारा अब छोड़ चुके हो। कोई ब्राह्मण तीखा जा रहा , कोई याद की यात्रा में कम।.... *सदा इसी स्मृति में रहना है कि हम ब्राह्मण हैं।* हम ब्राह्मणों को ही भगवान पढ़ाते हैं। हम अभी ब्राह्मण सो देवता बन रहे हैं।

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (18) खण्ड -{36}

प्रश्न 1- इस सृष्टि रंगमंच पर कैसे आये ?

A- स्टार मिसल

B- ज्योति स्वरूप

C- बिना शरीर

D- प्वाइंट

प्रश्न 2- सतगुरूवार को कहा जाता है ?

A- वृक्षपति डे

B- बाप का दिन

C- बृहस्पतिवार

D- A और B

प्रश्न 3- ज्ञान घृत और योग की बत्ती ठीक हो तो कौन सा दीपक जलता रहेगा ?

A- खुशी का

B- शक्ति का

C- पवित्रता का

D- हिम्मत का

प्रश्न 4- बच्चों को पहली-पहली कौन सी प्वाइंट समझनी और समझानी है..... ?

A- मैं कौन हूं।

B- आत्मा कौन है।

C- बाप कौन है।

D- ब्रह्मा कौन है।

प्रश्न 5- तुम बच्चे किस मस्ती में रहो तो चलन बड़ी रॉयल हो जायेगी ?

A- ज्ञान की मस्ती

B- याद की मस्ती

C- दैवी गुणों की मस्ती

D- सेवा की मस्ती

प्रश्न 6- सतयुग में कौन तुम्हारे गुलाम होंगें ?

A- जो हमसे कम पढ़ाई पढ़ेंगे

B- जो गफलत करेंगे

C- पाँच तत्व

D- साइन्स वाले

प्रश्न 7- ब्राह्मण ही क्या बनते है ?

A- देवता

B- सम्पूर्ण

C- स्वदर्शन चक्रधारी

D- ब्रह्माकुमार- ब्रह्माकुमारी

प्रश्न 8- देवताओं को ही क्या कहते है ?

A- भगवान भगवती

B- श्री- श्री

C- सर्वगुणसम्पन्न

D- गुल- गुल

प्रश्न 9- वाणी से जो सुनते हैं उसका क्या करना है ?

A- ध्यान से सुनकर धारण करना है

B- उस पर मंथन करना है।

C- दूसरों को भी सुनाना है।

D- उसको सुनकर मुख से रत्न ही निकालने है पत्थर नहीं।

प्रश्न 10- आत्माओं से हिसाब-किताब कैसे चुक्तु करने है ?

A- संकल्पों से

B- माफी मांगकर

C- शुभ भावना से

D- सहयोग से

प्रश्न 11- प्रश्नचित्त सदा प्रसन्न क्यों नहीं रह सकता ?

A- क्योंकि हिसाब किताब है।

B- क्योंकि श्रीमत प्रमाण नहीं चलता

C- क्योंकि क्यों की क्यूं लगी रहती

D- क्योंकि मेहनत में लगे रहते है।

प्रश्न 12- बाबा किसको कंट्रोल करने की कहता है ?

A- व्यर्थ रचना को

B- कर्मेंन्द्रियों को

C- मन को

D- उपरोक्त सभी को

प्रश्न 13-हर परिस्थिति में पास विद हॉनर होने की विधि क्या है ?

A- पॉवरफुल याद

B- श्रीमत प्रमाण चलना

C- एवरेडी रहना

D- हाजिर- हुजूर करना

प्रश्न 14- सबसे बड़ा जोन कौन सा है ?

A- परमधाम

B- सूक्ष्म वतन

C- साकार लोक

D- मधुबन

प्रश्न 15- विनाश किसलिए रुका हुआ है ?

A- स्थापना के लिए

B- समय के लिए

C- कम्प्लीट बनने के लिए

D- सम्पन्न बनने के लिए

प्रश्न 16- जो समय पर फुल पास होता है,उसको क्या कहते है ?

A- एवररेडी

B- पास विद हॉनर

C- नम्बरवन

D- ऑलराउंडर

भाग (18) खण्ड {36} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1 C - बिना शरीर

वह बाप कहते हैं - यह (ब्रह्मा) भी मुझे याद करेंगे तब यह पद पायेंगे। तुम भी याद करेंगे तो पद पायेंगे। *पहले-पहले तुम बिना शरीर (अशरीरी) आये थे।* फिर अशरीरी बनकर वापिस जाना है।

उत्तर 2 D - A और B

सतगुरूवार को *वृक्षपति डे* भी कहा जाता है। *वृक्षपति डे अर्थात् बाप का दिन।*

उत्तर 3 A - खुशी का

ज्ञान घृत और योग की बत्ती ठीक हो तो *खुशी का* दीपक जगता रहेगा।

उत्तर 4 C - बाप कौन है।

मीठे-मीठे रूहानी *बच्चों को पहली-पहली यह प्वाइंट समझनी और समझानी है कि बाप कौन है!* बच्चों को अतीन्द्रिय सुख तब फील होता है जब निश्चय करते हैं कि हम बेहद बाप की सन्तान हैं।

उत्तर 5- A- ज्ञान की मस्ती

तुम्हें ज्ञान की मस्ती चढ़ी रहनी चाहिए। ओहो! हम भगवान के सम्मुख बैठे हैं। हम यहाँ से जायेंगे, जाकर विश्व का मालिक, क्राउन प्रिन्स बनेंगे। जब ऐसी मस्ती रहे तो चलन स्वत: रॉयल हो जायेगी। मुख से बहुत मीठे बोल निकलेंगे। आपस में बहुत प्यार रहेगा।

उत्तर 6- C- पाँच तत्व

बाबा रूप भी है तो बसन्त भी है। कहानियाँ सब अभी की हैं। बाप है ज्ञान का सागर। वह ज्ञान की वर्षा करते हैं। बाकी वह इन्द्र देवता बरसात बरसाते हैं, ऐसी बात है नहीं। यह बादल नेचुरल बनते हैं, बरसात करते हैं। *सतयुग में यह 5 तत्व भी तुम्हारे गुलाम बन जाते हैं* और यहाँ मनुष्य सबके गुलाम बन पड़े हैं।

उत्तर 7- C- स्वदर्शन चक्रधारी

तुम्हारी बुद्धि में पूरे रचता और रचना की नॉलेज है फिर औरों को आप समान बनाने की जवाबदारी है। बहुत आते रहेंगे। *स्वदर्शन चक्रधारी ब्राह्मण ही बनते हैं।* माया के तूफान भी बच्चों को ही आते हैं। कहाँ तूफान आने से हड्डी-हड्डी टूट जाती है। चलते-चलते कोई डिससर्विस भी करते हैं। बाप कहते हैं कोई भी छी-छी काम नहीं करो। तुम मुख वंशावली ब्राह्मण हो, वह हैं कुख वंशावली।

उत्तर 8- A- भगवान भगवती

अभी तुम देवता समान गुल-गुल बन रहे हो। गॉड आकर गॉड गॉडेज बनाते हैं। *देवताओं को ही भगवान-भगवती कहते हैं।* परन्तु ऐसा बनाते कौन है? यह कोई नहीं जानते। तुम्हारी बुद्धि में पूरे रचता और रचना की नॉलेज है फिर औरों को आप समान बनाने की जवाबदारी है।

उत्तर 9- B- उस पर मंथन करना है।

वाणी से जो सुनते हैं उस पर मंथन करना है। पुरुषोत्तम बन रहे हैं इसलिए चलन बहुत रॉयल बनानी है। मुख से कभी

पत्थर नहीं निकालने हैं।

उत्तर 10- C- शुभ भावना से

पहले भी सुनाया था कि 5 परसेन्ट आत्माओं का हिसाब-किताब भी चुक्तू होता है इसलिए उन्हों द्वारा कभी स्नेह मिलेगा, कभी परीक्षा भी होगी। लेकिन 5 परसेन्ट से ज्यादा नहीं होना चाहिए। *ऐसी आत्माओं से भी धीरे-धीरे शुभ भावना, शुभ कामना द्वारा हिसाब को चुक्तू करते रहो।* जब हिसाब चुक्तू हो जायेगा तो किताब भी खत्म हो जायेगा ना! फिर हिसाब-किताब रहेगा ही नहीं।

उत्तर 11- C- क्योंकि क्यों की क्यूं लगी रहती

यह ऐसा क्यों करता वा क्यों कहता, यह बात ऐसे नहीं, ऐसे होनी चाहिए। चित के अन्दर यह प्रश्न उत्पन्न होने वाले को प्रश्नचित कहा जाता है और *प्रश्नचित कभी सदा प्रसन्न नहीं रह सकता। उसके चित में सदा 'क्यों'की क्यू लगी रहती है* इसलिए उस क्यू को समाप्त करने में ही समय चला जाता है।

उत्तर 12- A- व्यर्थ रचना को

इस क्यू का रचता आप हो। जब रचना रच ली तो पालना करनी पड़ेगी, पालना से बच नहीं सकते। *चाहे कितने भी मजबूर हो जाओ लेकिन समय, एनर्जी देनी ही पड़ेगी इसलिए इस व्यर्थ रचना को कन्ट्रोल करो।* यह बर्थ कन्ट्रोल करो। लोग कह देते हैं ना कि यह तो ईश्वर की देन है, हमारी गलती थोड़े ही है।

उत्तर 13- C- एवरेडी रहना

जब बाप की नज़र पहले पड़ी तो आना भी पहले नम्बर में है। फाउण्डेशन वाले हो। तो फाउण्डेशन सदैव पक्का रहता है, अगर कच्चा हुआ तो सारी बिल्डिंग कच्ची हो जाती है। तो सदा इसी वरदान को याद रखना कि *हर परिस्थिति में पास विद आनर बनने वाले हैं इनकी विधि है एवररेडी रहना।*

उत्तर 14- D- मधुबन

सबसे बड़ा ज़ोन तो मधुबन ही है। सब ब्रह्माकुमार और ब्रह्माकुमारियों का असली घर मधुबन ही है ना। आत्माओं का घर परमधाम है लेकिन ब्राह्मणों का घर मधुबन है।

उत्तर 15- C- कम्प्लीट बनने के लिए

सब बातों में कम्पलीट बनना अर्थात् पास विद ऑनर बनना। तो सभी ऐसे बने हो या बन रहे हो? (बन रहे हैं) इसीलिए ही विनाश रूका हुआ है। आपने रोका है। विश्व के विनाश अर्थात् परिवर्तन के पहले ब्राह्मणों की कमियों का विनाश चाहिए। अगर ब्राह्मणों की कमियों का विनाश नहीं हुआ तो विश्व का विनाश अर्थात् परिवर्तन कैसे होगा।

उत्तर 16- B- पास विद हॉनर

जो सदा समय पर फुल पास होता है, उसको कहते हैं पास विद् ऑनर। पास विद आनॅर अर्थात् धर्मराज भी

उसको आनॅर देगा। धर्मराजपुरी में भी सजायें नहीं होंगी, ऑनर होगा। गायन होगा कि यह पास विद आनॅर है।